CBSE Class 8 Social Science Important Questions Civics Chapter 1 भारतीय संविधान

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
संविधान किसे कहा जाता है?
उत्तर:
संविधान नियमों का एक ऐसा समूह होता है जिसको एक देश के सभी लोग अपने देश को चलाने की पद्धति के रूप में अपना सकते हैं।

प्रश्न 2.
स्वतंत्र भारत के लिए संविधान सभा ने किस अवधि में संविधान के प्रारूप को तैयार किया?
उत्तर:
दिसम्बर, 1946 से नवम्बर, 1949 के बीच संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के लिए नए संविधान का प्रारूप तैयार किया।

प्रश्न 3.
संविधान का कोई एक उद्देश्य बताइये।
उत्तर:
संविधान का मुख्य उद्देश्य होता है-देश की राजनीतिक व्यवस्था को तय करना।

प्रश्न 4.
अंतर-सामुदायिक वर्चस्व किसे कहते हैं?
उत्तर:
अल्पसंख्यकों पर बहुसंख्यकों की निरंकुशता जब एक समुदाय द्वारा दूसरे समुदाय के ऊपर होती है, तो उसे अंतर-सामुदायिक वर्चस्व कहते हैं।

प्रश्न 5.
अंतः सामुदायिक वर्चस्व किसे कहते हैं?
उत्तर:
जब एक ही समुदाय के भीतर कुछ लोग दूसरों को दबा सकते हैं तो उसे अन्तः सामुदायिक वर्चस्व कहते हैं।

प्रश्न 6.
भारतीय संविधान सभा के किन्हीं दो महत्वपूर्ण सदस्यों के नाम लिखिये।
उत्तर:

- सरदार वल्लभ भाई पटेल
- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर।

प्रश्न 7.
संघवाद से क्या आशय है?
उत्तर:
देश में एक से ज्यादा स्तर की सरकारों का होना तथा प्रत्येक स्तर की सरकार को संविधान से ही शक्ति और अधिकार मिलते हों।

प्रश्न 8.
संविधान के अनुसार राज्य के कितने अंग हैं?
उत्तर:
संविधान के अनुसार राज्य के तीन अंग हैं-

- विधायिका,
- कार्यपालिका और
- न्यायपालिका।

प्रश्न 9.
धर्मनिरपेक्ष राज्य किसे कहते हैं?
उत्तर:
धर्मनिरपेक्ष राज्य वह होता है जिसमें राज्य अधिकृत रूप से किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में बढ़ावा नहीं देता।

प्रश्न 10.
मौलिक अधिकारों का क्या महत्व है?
उत्तर:
मौलिक अधिकार देश के सभी नागरिकों को राज्य की सत्ता के मनमाने और निरंकुश इस्तेमाल से बचाते हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
संविधान के कोई दो उद्देश्य बताइये।
उत्तर:
संविधान के उद्देश्य-

- संविधान उन आदर्शों को सूत्रबद्ध करता है जिनके आधार पर नागरिक अपने देश को अपनी इच्छा और सपनों के अनुसार रच सकते हैं। अर्थात् संविधान ही बताता है कि हमारे समाज का मूलभूत स्वरूप क्या हो।
- संविधान का दूसरा मुख्य उद्देश्य होता है-देश की राजनीतिक व्यवस्था को तय करना कि वह राजतंत्रात्मक होगी या लोकतंत्रात्मक।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 2.
लोकतांत्रिक समाज में संविधान की भूमिका को संक्षेप में बताइये।
उत्तर:
लोकतांत्रिक समाज में संविधान की भूमिका-

- लोकतांत्रिक समाजों में प्रायः संविधान ही ऐसे नियम तय करता है जिनके द्वारा राजनेताओं के हाथों सत्ता के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। भारतीय संविधान में ऐसे बहुत से नियम मौलिक अधिकारों वाले खण्ड में दिये गये हैं।
- लोकतंत्र में संविधान बहुमत की निरंकुशता को रोकता है। यह अल्पसंख्यकों पर बहुसंख्यकों की निरंकुशता पर प्रतिबन्ध लगाता है।
- संविधान हमें ऐसे फैसले लेने से भी रोकता है जिनसे उन बड़े सिद्धान्तों को ठेस पहुंच सकती है, जिनमें देश आस्था रखता है।

प्रश्न 3.
भारतीय संविधान में दिये गये मौलिक अधिकारों के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिये।
उत्तर:
भारतीय संविधान में दिये गये मौलिक अधिकारों के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि इन अधिकारों का दोहरा उद्देश्य है पहला यह कि, हरेक नागरिक ऐसी स्थिति में हो कि वह इन अधिकारों के लिए दावेदारी कर सके। दूसरा यह कि, ये अधिकार हर उस सत्ता और संस्था के लिए बाध्यकारी हों जिसे कानून बनाने का अधिकार दिया गया है।

प्रश्न 4.
भारतीय संविधान में नीति-निर्देशक तत्वों का खण्ड क्यों जोड़ा गया था?
उत्तर:
भारतीय संविधान में नीति-निर्देशक तत्वों का खण्ड संविधान सभा के सदस्यों ने इसलिए जोड़ा था ताकि और ज्यादा सामाजिक व आर्थिक सुधार लाए जा सकें। वे चाहते थे कि स्वतंत्र भारतीय राज्य जनता की गरीबी दूर करने वाले कानून और नीतियाँ बनाते हुए इन सिद्धान्तों को मार्गदर्शक के रूप में हमेशा अपने सामने रखें।

प्रश्न 5.
भारतीय संविधान में उल्लिखित मौलिक अधिकारों से क्या आशय है?
उत्तर:
भारतीय संविधान में नागरिकों को लिखित रूप में कुछ मूल अधिकार दिये गये हैं। ये अधिकार देश के सभी नागरिकों को राज्य की सत्ता के मनमाने और निरंकुश इस्तेमाल से बचाते हैं। ये मूलभूत अधिकार हैं-(1) समानता का अधिकार, (2) स्वतन्त्रता का अधिकार, (3) शोषण के विरुद्ध अधिकार, (4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, (5) सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार तथा (6) संवैधानिक उपचार का अधिकार।